



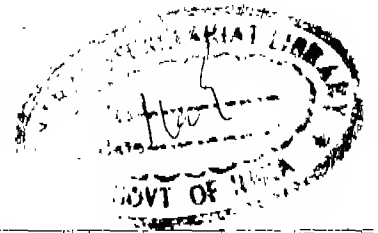
भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 162]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मार्च 14, 1996/फाल्गुन 24, 1917

No. 162]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 14, 1996/PHALGUNA 24, 1917

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं, सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1996

का० आ० 191(अ).—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सेन्ट्रल इंडिया कॉटन एसोसिएशन लि०, उज्जैन द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम संविदा के बारे में 1 अप्रैल, 1996 से 31 मार्च, 1997 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) तक के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन एवं निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय समय पर दिए जाएंगे।

[मिसिल संख्या 12/(13)/आई० टी०/93]

अशोक कपूर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th March, 1996

S.O. 191(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952, (74 of 1952), by the Central India Cotton Association Ltd., Ujjain and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for the period from 1-4-96 to 31-3-97 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/(13)/IT/93]

ASHOK KAPUR, Jt. Secy.